Nai Dunia (Indore), 20th May 2022, Page-02

आइआइटी के प्रोफेसर पौधों से तैयार कर रहे कोरोना खत्म करने की दवाई

इंदौर (नईदुनिया प्रतिनिधि)। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) इंदौर के प्रोफेसरों ने एक महत्वपूर्ण शोध किया है जिसके तहत कोरोना संक्रमण का इलाज औषधीय पौधों के उपयोग से किया जा सकेगा। आइआइटी इंदौर के दल ने अध्ययन में पता किया है कि पौधों से दवाई तैयार की जा सकती है। इसके सेवन से दवाइयों के होने वाले गलत प्रभाव को भी कम किया जा सकेगा। संस्थान के बायो साइंसेस और बायो मेडिकल इंजीनियरिंग विभाग के इंफेक्शन बायो इंजीनियरिंग ग्रुप के प्रो. डा. हेमचंद्र झा और कंप्यूटेशनल बायो फिजिक्स ग्रुप के प्रो. डा. परिमल कर ने विद्यार्थी धर्मेंद्र कश्यप और राजर्षि राय के साथ इस पर काम किया है।

डा. झा का कहना है कि प्रयोग प्राथमिक चरण पर है। अभी तक मिले परिणाम से उम्मीद है कि शोध पूर्ण होने पर पौधों से दवाई बनाई जा सकेगी। शोध में औषधीय पौधों का उपयोग किया गया है। इसमें से 60 एंटी वायरल लिए गए थे। डा. परिमल ने बताया कि न्यूक्लियोकैप्सिड प्रोटीन बहुत तेजी से म्यूटेट होता है इसलिए कोरोना संक्रमण तेजी से फैलता है और व्यक्ति के लिए यह जानलेवा हो जाता है। न्यूक्लियोकैप्सिड प्रोटीन को अगर ब्लाक कर दिया जाए तो संक्रमण को रोक सकते हैं। इसका म्यूटेशन होना बंद हो जाएगा। यह प्रोजेक्ट भारत सरकार के डिपार्टमेंट आफ साइंस एंड टेक्नोलाजी के वित्तीय सहायता से पूरा किया गया।

शोध दल में शामिल आइआइटी इंदौर के प्रोफेसर और विद्यार्थी। ● सौ. संस्थान